हरिभूमि
विराट भूमि
शहडोल | बुढ़ार | धनपुरी | ब्यौहारी | जयसिंहनगर | बाणसागर

जबलपुर, शुक्रवार 10 जुलाई 2026
login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

उपखण्ड बुढ़ार के ग्रामों में हैंडपंपों में किया गया क्लोरीनेशन

शहडोल। कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एस. एल. धुर्वे ने बताया कि वर्षाकाल को दृष्टिगत रखते हुए एवं आमजनो को शुद्ध एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए बुढ़ार सहित अन्य ग्राम पंचायतो में क्लोरीनेशन का कार्य किया गया। क्लोरीनेशन होने से वर्षाकाल में होने वाली जल जनित बीमारियों जैसे दस्त, हैजा, टाइफाइड एवं अन्य संक्रमणों की रोकथाम सुनिश्चित होगी।

राज्यपाल ने सशस्त्र सेना झण्डा दिवस में उत्कृष्ट कार्य हेतु कमिश्नर को किया सम्मानित

शहडोल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल द्वारा सशस्त्र सेना झण्डा दिवस 2024-25 में कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता को निर्धारित लक्ष्य राशि रुपये 1190700 से अधिक 1301967 धन राशि एकत्रित करने में सराहनीय योगदान करने पर शील्ड एवं प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता को जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल अरुण शुक्ला (रिटायर्ड) ने कमिश्नर कार्यालय में शील्ड एवं प्रशंसा पत्र सौंपा। इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण कार्यालय से संयोजक सूबेदार मेजर विलास आमने (रिटायर्ड) उपस्थित रहे।

नवागत पुलिस अधीक्षक ने किया पदभार ग्रहण

शहडोल। जिले के नवागत पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर पदभार ग्रहण किया। श्री अग्रवाल मध्यप्रदेश पुलिस राज्य पुलिस सेवा के वर्ष 1997 बैच के अधिकारी हैं तथा वर्ष 2016 से भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। इससे पूर्व वे डीसीपी इंटेलिजेंस भोपाल तदोपरांत मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी में पदस्थ रहे हैं। अपने सेवाकाल में उन्होंने भिंड, नीमच, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर, दतिया, शिवपुरी एवं जबलपुर, भोपाल सहित विभिन्न जिलों में कार्य किया है। इसके अतिरिक्त वे पुलिस अकादमी, सीआईडी, विशेष शाखा, विशेष सशस्त्र बल, आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ एसआईएसएफ सहित विभिन्न महत्वपूर्ण इकाइयों में भी सेवाएं दी हैं। उत्कृष्ट सेवाओं के लिए श्री अग्रवाल को मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2017 एवं 2018 का के.एफ. रुस्तम पुरस्कार तथा वर्ष 2020 में भारत सरकार द्वारा सराहनीय सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया जा चुका है।

क्रेडिट कार्ड से लोन दिलवाकर हड़प लिए 2 लाख 30 हजार

शहडोल। जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम मलैया में धनबल और जनबल के अहंकार में चूर एक रसूखदार द्वारा गरीब आदिवासी किसान को न सिर्फ आर्थिक रूप से कंगाल करने, बल्कि उसका सामाजिक और मानसिक उत्पीडन करने का एक बेहद शर्मनाक मामला सामने आया है, आरोपी ने किसान की लाचारी का फायदा उठाकर लाखों रुपये ऐंठ लिए और जब पीड़ित ने अपनी ही गाढ़ी कमाई वापस मांगी, तो उसे सरेआम अपमानित कर जान से मारने की धमकी दी गई. इस पूरे मामले की लिखित शिकायत पीड़ित द्वारा 9 जुलाई 2026 को शहडोल पुलिस अधीक्षक कार्यालय में दर्ज कराई गई है। शिकायत के अनुसार, ग्राम मलैया निवासी पीड़ित किसान परसादी सिंह गोंड पिता स्व. मोहन सिंह गोंड एक सीधा-साधा खेतिहर मजदूर है, उसकी जान-पहचान ग्राम चन्नौड़ी निवासी तजेन्द्र सिंह बघेल पिता गणेश प्रताप सिंह बघेल से थी, तजेन्द्र ने बीते 18 मार्च 2026 को अपनी घरेलू और व्यावसायिक जरूरतों का हवाला देकर परसादी से 3,30,000 उधार मांगे थे।

मासूम समेत एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

एनएच-43 पर खड़े ट्रक में घुसी कार

आरटीओ और हाईवे पुलिस की 'खामोशी' पर उठे गंभीर सवाल

उमरिया। राष्ट्रीय राजमार्ग-43 (एनएच-43) पर कोतवाली थाना अंतर्गत भरौला स्थित सिद्ध बाबा मंदिर के समीप गुरुवार तडक़े करीब 4 बजे जो खूनी मंजर सामने आया, उसने पूरे संभाग को हिलाकर रख दिया है। एक तेज रफ्तार अर्टिका कार एमपी 18 जेडई 9677 हाईवे किनारे बिना किसी इंडिकेटर और रिफ्लेक्टर के खड़े काल बनकर खड़े एक भारी ट्रक में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी वीभत्स थी कि कार लोहे का कबाड़ बन गई और मौके पर ही चीख-पुकार के बीच चार जिंदगी हमेशा के लिए खामोश हो गई।

बेटी की परीक्षा और भगवान के दर्शन की उम्मीदें दफन

अनूपपुर जिले के ग्राम लीला के सरपंच कुलपत सिंह मार्को उम्र 37 वर्ष अपनी 22 वर्षीय बेटी खुशबू सिंह मार्को को चित्रकूट में आयोजित एक परीक्षा दिलाने जा रहे थे। पूरा परिवार इस उम्मीद में साथ निकला था कि बेटी का इम्तिहान भी हो जाएगा और कामतानाथ भगवान के दर्शन भी हो जाएंगे। कार में कुल 6 लोग सवार थे, लेकिन किसे पता था कि उमरिया की सीमा में घुसते ही मौत उनका रास्ता रोके खड़ी है। हादसे में सरपंच कुलपत सिंह उम्र 37 वर्ष , प्रियंका सिंह मार्को उम्र 24 वर्ष, सविता सिंह उम्र 32 वर्ष और महज 3 साल के मासूम रुद्र प्रताप की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया।

जब जिला अस्पताल में थम गईं खुशबू की धडकनें...

हादसे के करीब 3 से 4 घंटे बाद तक जिंदगी और मौत के बीच झूल रही खुशबू सिंह मार्को को जब 108 एम्बुलेंस से जिला अस्पताल लाया गया, तो उसकी नब्ज गायब थी। डॉक्टरों ने उसे मृतप्राय मान लिया था, लेकिन ऑन-ड्यूटी डॉक्टरों ने हार नहीं मानी। उन्होंने अभूतपूर्व तत्परता दिखाते हुए तुरंत सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) देना शुरू किया। कुछ ही मिनटों की जद्दोजहद के बाद चमत्कार हुआ और खुशबू के सीने में दोबारा सांसें लौट आईं। हालांकि, अंदरूनी चोटें इतनी गंभीर थीं कि प्राथमिक स्थिरता के बाद डॉक्टरों ने उसे गहन वेंटिलेटर उपचार के लिए तत्काल जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, जहां उसकी हालत अब भी बेहद नाजुक बनी हुई है।

तो क्या आरटीओ और पुलिस सिर्फ वसूली के लिए हैं

इस हृदयविदारक हादसे ने उमरिया के यातायात, पुलिस और परिवहन विभाग की संवेदनहीन कार्यशैली की पूरी पोल खोलकर रख दी है। नेशनल हाईवे-43 इस समय अवैध रूप से पार्क किए गए भारी ट्रकों और डंपरों का खुला गैराज बन चुका है। ढाबों, कबाडिय़ों और अवैध कटिंग करने वालों के इशारे पर बिना किसी रिफ्लेक्टिव ट्रायंगल या हैजार्ड लाइट के ये 18 चक्का ट्रक सडक़ों पर यमदूत बनकर खड़े रहते हैं। उमरिया आरटीओ और हाईवे पेट्रोलिंग पुलिस के लिए ये नियम केवल कागजों की शोभा बढ़ाने के लिए हैं। सडक़ों पर गश्त करने वाले उडऩदस्तों की नजरें इन यमदूतों पर क्यों नहीं पड़ती?

बहरा हो चुका है पुलिस-प्रशासन

ऐसा नहीं है कि यह कोई पहला हादसा है। इससे पहले भी स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों और सजग युवाओं ने सोशल मीडिया और ज्ञापनों के माध्यम से जिला प्रशासन और पुलिस कप्तान को आगाह किया था कि भरौला के पास अवैध रूप से खड़े होने वाले ट्रक किसी दिन बड़े नरसंहार का कारण बनेंगे, लेकिन उमरिया का प्रशासनिक ढर्रा इतना पंगु और बहरा हो चुका है कि उसे जनता की चीखें तब तक सुनाई नहीं देतीं, जब तक कि सडक़ खून से लाल न हो जाए। आज एक हंसता-खेलता सरपंच परिवार पूरी तरह तबाह हो गया, एक 3 साल के मासूम की जिंदगी शुरू होने से पहले खत्म हो गई।

मनोज टीवीएस ने किया राइडर बाइक का दमदार प्रमोशन

टीवीएस राइडर बाइक रैली से शहर में उत्साह

शहडोल।

टीवीएस मोटर कंपनी के मेन डीलर मनोज टीवीएस शहडोल द्वारा शहर में टीवीएस राइडर बाइक के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से भव्य बाइक रैली का आयोजन किया गया। शोरूम परिसर से प्रारंभ हुई। इस रैली को मनोज टीवीएस के डायरेक्टर मनोज गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में बड़ी संख्या में टीवीएस राइडर बाइक सवार युवाओं ने हेलमेट पहनकर अनुशासित तरीके से भाग लिया और सुरक्षित यातायात का संदेश दिया।

रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। एक जैसी आकर्षक टीवीएस राइडर बाइकों का काफिला लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। रास्ते भर नागरिकों ने उत्सुकता के साथ रैली को देखा और बाइक के स्टाइलिश लुक, आधुनिक तकनीक एवं शानदार प्रदर्शन की सराहना की। इस दौरान बाइकर्स ने यातायात नियमों का पालन करते हुए जिम्मेदार राइडिंग का परिचय दिया।

इस अवसर पर मनोज टीवीएस शहडोल के डायरेक्टर मनोज गुप्ता ने कहा कि टीवीएस राइडर अपने आकर्षक डिजाइन, बेहतर माइलेज, दमदार इंजन और एडवांस फीचर्स के कारण युवाओं की पहली पसंद बनती जा रही है। कंपनी का उद्देश्य केवल नए उत्पादों का प्रचार करना ही नहीं, बल्कि सुरक्षित और जिम्मेदार वाहन संचालन के प्रति लोगों को जागरूक करना भी है। उन्होंने बताया कि समय-समय पर ग्राहकों के लिए ऐसे आयोजन किए जाते हैं, जिससे वे नए मॉडलों की विशेषताओं को करीब से जान सकें।

रैली के समापन पर सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया गया और उनके उत्साह की सराहना की गई। कार्यक्रम में मनोज टीवीएस शोरूम के राजेश गुप्ता, योगेश गुप्ता,हिमांशु गुप्ता, रूपांश गुप्ता,गौरव गुप्ता सहित पूरी टीम एवं बड़ी संख्या में बाइक प्रेमी उपस्थित रहे। टीवीएस राइडर की बाइक रैली शहर में चर्चा का विषय बना रहा और लोगों ने इसकी सराहना करते हुए इसे युवाओं के लिए प्रेरणादायक पहल बताया।

मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था, श्रद्धा और विश्वास का केंद्र है: कलेक्टर

जिले के मंदिर, मेले एवं तीर्थस्थलों का कराया जाए पंजीयन: सीईओ धर्मस्व न्यास

पुजारियों एवं ट्रस्ट समितियों के सदस्यों की बैठक संपन्न

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह एवं मध्यप्रदेश तीर्थ स्थल एवं मेला प्राधिकरण (धर्मस्व न्यास) के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. राजेश श्रीवास्तव की उपस्थिति में जिले के विभिन्न मंदिरों के पुजारियों एवं ट्रस्ट समिति के सदस्यों की बैठक कलेक्ट्रेट कार्यालय के विराट सभागार में आयोजित की गई।

बैठक में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कहा कि मंदिर और तीर्थस्थल श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था, श्रद्धा और विश्वास के प्रमुख केंद्र होते हैं। श्रद्धालु बड़ी उम्मीद और विश्वास के साथ मंदिरों में आते हैं, ऐसे में उनकी आस्था बनाए रखना पुजारियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पुजारियों का व्यवहार ही मंदिर की पहचान बनाता है। मंदिरों में प्राप्त चढ़ावे का उपयोग मंदिर के विकास, रख रखाव और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में किया जाना चाहिए।

कलेक्टर ने कहा कि पुजारियों एवं ट्रस्ट समिति के सदस्यों से आपसी समन्वय बनाकर मंदिर परिसरों में स्वच्छता, सुव्यवस्थित व्यवस्थाएं एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं को प्राथमिकता दें। उन्होंने मुंडन जैसे धार्मिक संस्कारों के लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित करने तथा मंदिरों में बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. राजेश श्रीवास्तव ने कहा कि पुजारी समाज और प्रशासन के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु होते हैं। उन्होंने कहा कि जिले के धार्मिक एवं ऐतिहासिक मंदिरों, तीर्थस्थलों, आश्रमों तथा आयोजित होने वाले मेलों की जानकारी जिला प्रशासन को उपलब्ध कराने एवं उनका पंजीयन कराए। उन्होंने कहा कि पंजीकृत मंदिरों एवं ट्रस्टों को मध्यप्रदेश शासन द्वारा अनुदान प्रदान किया जाता है तथा पात्र पुजारियों को मानदेय भी दिया जाता है। उन्होंने कहा कि पुजारियों को पूजा-पद्धति, उचित वेशभूषा, मंदिर के इतिहास, मंत्रों के शुद्ध उच्चारण एवं धार्मिक परंपराओं का ज्ञान होना चाहिए। मंदिरों में घंटी, शंख, धर्मग्रंथ जैसी आवश्यक व्यवस्थाएं जनसहयोग से भी की जा सकती हैं। साथ ही खंडित मूर्तियों की पूजा न करने, मंदिर परिसरों को अतिक्रमण मुक्त रखने तथा स्वच्छता बनाए रखें। डॉ. राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि आगामी दिनों में शहडोल संभाग में धर्मगुरुओं एवं पुजारियों की संगोष्ठी आयोजित की जाएगी, जिसमें सभी पुजारियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ मेले में भी जिले के पुजारियों का सहयोग लिया जाएगा। बैठक में प्राप्त सुझावों के आधार पर कलेक्टर ने जिला मुख्यालय स्थित रामजानकी मंदिर परिसर की खाली भूमि पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की अनुमति प्रदान की। साथ ही कंकाली मंदिर परिसर से अतिक्रमण हटाने, वाहन पार्किंग की व्यवस्था विकसित करने तथा आवश्यकतानुसार मंदिरों में पुजारियों के लिए आवासीय सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिले के विभिन्न मंदिरों के पुजारी एवं ट्रस्ट समितियों के सदस्य उपस्थित रहे।

शहडोल बाईपास की कीमती जमीन पर भू-माफिया की गिद्ध दृष्टि बैगा आदिवासी का अपहरण, मानपुर पुलिस की भूमिका पर गंभीर सवाल

कलेक्टर की चौखट पर पहुंची बेबस पत्नी की गुहार चार दबंगों ने रात के अंधेरे में घर में घुसकर धानू बैगा को उठाया, शराब पिलाकर जबरन रजिस्ट्री कराने की खौफनाक साजिश

शहडोल। संभाग में भू-माफियाओं के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि अब वे आदिवासियों की बेशकीमती जमीनों को हड़पने के लिए अपहरण जैसे संगीन अपराधों को अंजाम देने से भी नहीं हिचक रहे हैं। संभाग के उमरिया जिले के मानपुर थाना अंतर्गत ग्राम मरवार, ताला बांधवगढ़ का सामने आया है, जहां एक गरीब बैगा आदिवासी धानू बैगा को बुधवार 8 जुलाई की रात करीब 11 बजे चार दबंग उनके घर में जबरन घुसकर अगवा कर ले गए। इस दुस्साहसिक वारदात के बाद पूरे इलाके में हडक़ंप मच गया है, लेकिन कानून व्यवस्था के रखवालों की संवेदनहीनता का आलम यह है कि मानपुर पुलिस ने पीड़ित परिवार की रिपोर्ट तक दर्ज नहीं की।

शराब पिलाकर रजिस्ट्री और हत्या की खौफनाक साजिश

अपहृत धानू बैगा की बेबस और डरी-सहमी पत्नी सुन्दरिया बैगा ने शहडोल कलेक्टर की चौखट पर पहुंचकर न्याय की गुहार

लगाई है। कलेक्टर को सौंपे गए लिखित शिकायती पत्र में सुन्दरिया ने क्षेत्र के रसूखदार भू-माफिया और उनके गुर्गों पर बेहद गंभीर आरोप मढ़े हैं। पीड़िता ने आशंका जताई है कि उसके पति को कोई नशीला पदार्थ या अत्यधिक शराब पिलाकर बेहोशी की हालत में शहडोल बाईपास स्थित उनकी बेशकीमती जमीन की रजिस्ट्री या मुख्त्यारनामा (पॉवर ऑफ अटॉर्नी) लिखवाया जा सकता है। इतना ही नहीं, रोती-बिलखती पत्नी ने अंदेशा जताया है कि जमीन को खुर्द-बुर्द करने के बाद भू-माफिया उसके पति की हत्या भी कर सकते हैं।

नहीं झुका आदिवासी तो कर लिया अगवा

शिकायत के अनुसार, जमीन हथियाने का यह खेल पिछले कई दिनों से चल रहा था। करीब 15 दिन पहले आरोपी सुखलाल चौधरी निवासी ग्राम सिगुड़ी, धानू बैगा के घर आया था और शहडोल बाईपास वाली कीमती जमीन को औने-पौने दामों में बेचने का लगातार दबाव बना रहा था। उस वक्त साहसी पत्नी सुन्दरिया बैगा ने भू-माफिया को जमकर फटकार लगाई थी और घर से डांटकर भगा दिया था। इसी रंजिश और जमीन की भूख के कारण बौखलाए आरोपियों ने आपराधिक प्रवृत्ति के गुंडों का सहारा लिया और रात को जब पूरा गांव सो रहा था, तब घर पर धावा बोलकर आदिवासी गृहस्वामी का अपहरण कर लिया। फरियादी ने सुखलाल चौधरी निवासी ग्राम सिगुड़ी, थाना मानपुर मुख्य साजिशकर्ता, विद्यासागर रोहणी निवासी शहडोल, राकेश चौथेल निवासी शहडोल पर आरोप लगाये हैं।

आखिर किसके संरक्षण में मौन है मानपुर पुलिस

इस पूरे मामले में स्थानीय पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सबसे बड़े और तीखे सवाल खड़े हो रहे हैं। रात में पति के अपहरण के तुरंत बाद बदहवास पत्नी सुन्दरिया बैगा जब गुहार लगाने मानपुर थाने पहुंची, तो पुलिस ने संवेदनशीलता दिखाने के बजाय उसे दुत्कार दिया। थाने में रिपोर्ट नहीं लिखे जाने से साफ जाहिर होता है कि कहीं न कहीं खाकी का वरदहस्त भी इन भू-माफियाओं की पीठ पर है। एक तरफ सूबे की सरकार आदिवासियों के संरक्षण और सम्मान के लंबे-चौड़े दावे करती है, वहीं दूसरी तरफ धरातल पर आदिवासियों की जमीनों को हड़पने के लिए उन्हें सरेआम अगवा किया जा रहा है और पुलिस आंखें मूंदे बैठी है। पीड़ित महिला ने शहडोल कलेक्टर से गुहार लगाई है कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए तत्काल दंडात्मक कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि उसके पति को भू-माफियाओं के चंगुल से सही-सलामत वापस लाया जा सके और जमीन की अवैध रजिस्ट्री पर रोक लग सके।

खबर संक्षेप

15 जुलाई को आकांक्षी विकासखण्ड कार्यक्रम अंतर्गत समीक्षा बैठक

उमरिया। आकांक्षी विकासखण्ड मानपुर कार्यक्रम की वर्तमान स्थिति, प्रमुख संकेतकों की प्रगति, कम प्रदर्शन वाले क्षेत्र, आवश्यक विभागीय सहयोग एवं सुधारात्मक कार्यवाही के संबंध में समीक्षा बैठक 15 जुलाई 2026 को समय प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गयी हैं। बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

एकलव्य विद्यालय पाली में वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

उमरिया। जिले के एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, पाली में विद्यार्थियों में वित्तीय जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन लीड जिला प्रबंधक (एलडीएम) उमरिया गौतम कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा एलडीओ श्रवण कुमार के सहयोग से किया गया। इसमें कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को बचत की आदत विकसित करने, बैंकिंग सेवाओं का सुरक्षित एवं प्रभावी उपयोग, डिजिटल भुगतान के विभिन्न माध्यम, साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव तथा बेहतर वित्तीय नियोजन जैसे महत्वपूर्ण विषयों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें यह भी बताया गया कि डिजिटल लेन-देन करते समय सतर्कता बरतना और अपनी बैंकिंग जानकारी किसी के साथ साझा न करना अत्यंत आवश्यक है।विद्यालय की प्राचार्य उषा राजपूत, भास्कर एवं मोना ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन एवं समस्त शिक्षकों के सहयोग और आतिथ्य के लिए आभार व्यक्त किया गया। इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों को आर्थिक रूप से जागरूक, जिम्मेदार और आत्मनिर्भर नागरिक बनने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

राष्ट्रीय ध्वज के अपमान के संगीन आरोपों के बाद भी पर्यटन विभाग मौन
बांधवगढ़ के व्हाइट टाइगर लॉज में तानाशाही की पराकाष्ठा

उमरिया। विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान न सिर्फ अपनी प्राकृतिक सुंदरता और बाघों के लिए जाना जाता है, बल्कि इन दिनों मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग का व्हाइट टाइगर फॉरेस्ट लॉज प्रशासनिक अराजकता, भ्रष्टाचार और कर्मचारियों के तीखे आक्रोश का अखाड़ा बन चुका है। लॉज के वर्तमान प्रबंधक अमित सिंह की मनमानी और संवेदनहीन कार्यशैली के खिलाफ कर्मचारियों और स्थानीय शिकायतकर्ताओं ने खुला मोर्चा खोल दिया है। आरोप इतने गंभीर हैं कि उन्होंने सीधे तौर पर विभाग की साख को पूरी तरह से बट्टे खाते में डाल दिया है, लेकिन देश की आन-बान-शान और मानवाधिकारों से जुड़े इतने संगीन मामलों के बाद भी भोपाल से लेकर उमरिया तक का प्रशासनिक अमला गहरी नींद में क्यों सोया हुआ है।

मातहतों को समझा बंधुआ मजदूर

शिकायतकर्ताओं और प्रताड़ित कर्मचारियों का सीधा आरोप है कि प्रबंधक अमित सिंह का रवैया किसी लोक सेवक जैसा नहीं, बल्कि किसी मध्ययुगीन तानाशाह जैसा है। लॉज के भीतर अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ आए दिन अभद्र व्यवहार, सरेआम गाली-गलौज और बात-बात पर नौकरी से निकालने की धमकियां देना उनकी रोजमर्रा की कार्यशैली का हिस्सा बन चुका है।

श्रम कानूनों की खुली धज्जियां

भारतीय श्रम कानून और औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के तहत कार्यस्थल पर गरिमापूर्ण माहौल और मानसिक प्रताडऩा के खिलाफ कड़े प्रावधान हैं। किसी भी कर्मचारी को गाली देना या मानसिक रूप से प्रताड़ित करना भारतीय न्याय संहिता के तहत भी दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है, लेकिन लॉज के भीतर इन नियमों को ताक पर रख दिया गया है। कर्मचारियों के बीच पनप रहा यह भारी असंतोष अब किसी भी दिन एक बड़े उग्र आंदोलन की शक्ल अख्तियार कर सकता है।

तिरंगे का अपमान करने वाले को बचा रहा तंत्र

मामला सिर्फ अंदरूनी कलह या प्रशासनिक खींचतान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की संप्रभुता और सम्मान से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि गत 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मुख्य राष्ट्रीय ध्वजारोहण कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगे) के सम्मान से जुड़े तय नियमों और प्रोटोकॉल की सरेआम धज्जियां उड़ाई गईं।

यह कहता है कानून

भारत में राष्ट्रीय ध्वज का प्रदर्शन और फहराना भारतीय ध्वज संहिता 2002 और राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 के तहत कड़ाई से विनियमित होता है। राष्ट्रीय ध्वज को झुकाना, गलत तरीके से फहराना या उसके प्रोटोकॉल में लापरवाही बरतना सीधे तौर पर राष्ट्रद्रोह की श्रेणी में आता है, जिसमें 3 साल तक की जेल और भारी जुर्माने का स्पष्ट प्रावधान है। बड़ा सवाल यह उठता है कि यदि देश की गरिमा के प्रतीक तिरंगे के अपमान का यह गंभीर आरोप सही है, तो अब तक एफआईआर दर्ज क्यों नहीं की गई? क्या मप्र पर्यटन विभाग का एक प्रबंधक देश के सर्वोच्च कानून और संविधान से भी ऊपर हो गया है?

फाइलें दबाकर बैठे हैं आला अफसर

सबसे ज्यादा हैरान और विचलित करने वाली बात यह है कि पीड़ित कर्मचारियों और सजग नागरिकों ने इस पूरे कुप्रबंधन और राष्ट्रीय ध्वज के अपमान के पुख्ता सबूत और लिखित शिकायतें काफी समय पहले ही पर्यटन विभाग के भोपाल स्थित उच्चाधिकारियों को सौंप दी थीं। इसके बावजूद, अब तक आरोपी प्रबंधक के खिलाफ किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई तो दूर, शुरुआती विभागीय जांच तक शुरू नहीं की गई।

स्वतंत्र और निष्पक्ष उच्च-स्तरीय जांच की मांग

अब पानी सिर से ऊपर जा चुका है और कर्मचारियों का धैर्य जवाब दे रहा है। स्थानीय प्रबुद्धजनों और कर्मचारी संगठनों ने चेतावनी दी है कि मध्य प्रदेश शासन और पर्यटन विभाग इस पूरे संवेदनशील मामले की जांच किसी स्वतंत्र और निष्पक्ष बाहरी एजेंसी से कराए। यदि जांच में प्रबंधक दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें सिविल सेवा आचरण नियम के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर जेल भेजा जाए और यदि ये आरोप महज एक साजिश हैं,

तो विभाग अपनी चुप्पी तोड़े और सार्वजनिक रूप से स्थिति स्पष्ट करे। बहरहाल, इस पूरे मामले ने उमरिया से लेकर मंत्रालय (वल्लभ भवन) तक के प्रशासनिक गलियारों में हडक़ंप मचा दिया है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न

निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूरा करनें के दिए गए निर्देश

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में विभिन्न विभागों के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिला शहरी विकास एवं अभिकरण, स्वास्थ्य विभाग, जन जातीय कार्य विभाग, एमपी हाउसिंग, जल संसाधन, लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक़ योजना, जल जीवन मिशन, महिला एवं बाल विकास विभाग, एमपीआरडीसी, पीआईयू व्दारा संचालित निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई । बैठक में कलेक्टर श्रीमती सहाय ने विस्तारपूर्वक समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि समस्त निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूरे किए जाए तथा गुणवत्ता के साथ कोई भी कोताही नही बरती जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्य जो प्रगतिरत है, उसका निरीक्षण संबंधित विभाग निश्चित रूप से करें। साथ ही जिन निर्माण कार्यो के लिए जमीन के आवंटन की आवश्यकता है उसके लिए संबंधित विभागीय अधिकारी अपने अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को जमीन आवंटन से संबंधित आवेदन करें, ताकि आगें की प्रक्रिया पूरी की जा सके। बैठक में अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता सहित संबंधित विभाग के विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को रोजगार, नैतिक मूल्य, पर्यावरण एवं कौशल आधारित शिक्षा से जोडऩे की पहल

स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए वैल्यू एडेड कोर्स का चयन अनिवार्य

उमरिया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए वैल्यू एडेड कोर्स, संवैधानिक, मानवीय एवं नैतिक मूल्य तथा पर्यावरण शिक्षा एवं स्थिरता आधारित पाठ्यक्रमों का चयन अनिवार्य किया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी करीकुलम एण्ड क्रेडिट फ्रेमवर्क फॉर पोस्टग्रेजुएट प्रोग्राम्स (सीसीएफपीजी), जून-2024 तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के नवीन अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार प्रत्येक स्नातकोत्तर विद्यार्थी को द्वितीय सेमेस्टर में 2 क्रेडिट पॉइंट का एक वैल्यू एडेड पाठ्यक्रम लेना होगा।विद्यार्थियों की सुविधा के लिए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न विषय समूहों अंतर्गत पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें रोजगार एवं उद्यमिता कौशल, योग एवं ध्यान द्वारा तनाव प्रबंधन, पर्यावरण मनोविज्ञान, शोध लेखन कौशल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिजनेस एथिक्स, बिजनेस एनालिटिक्स, नवाचार एवं उद्यमिता जैसे विषय शामिल हैं।इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को विषय ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक कौशल, नैतिक मूल्यों, नवाचार क्षमता एवं रोजगारपरक दक्षताओं से जोडऩा है। सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक आवश्यकता और विषय की उपयोगिता के अनुसार इन पाठ्यक्रमों के चयन में आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए। इस पहल से स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल आधारित एवं मूल्यपरक शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

कोतमा में फिर मंडरा रहा हादसे का खतरा

एलआईसी कार्यालय की जर्जर दीवार बनी जानलेवा, प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल

कोतमा। नगर में चार मंजिला भवन गिरने की दर्दनाक घटना, जिसमें तीन लोगों की मौत हुई थी और कई लोग घायल हुए थे, अभी लोगों के जहन से उतरी भी नहीं है। उस हादसे के बाद जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए नगर पालिका के राजस्व अधिकारी और उपयंत्री को निलंबित किया था। साथ ही कलेक्टर हर्षल पंचोली ने नगर के सभी जर्जर भवनों की सूची तैयार कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश भी दिए थे। इसके बावजूद नगर में कई खतरनाक भवन और दीवारें आज भी लोगों की जान के लिए खतरा बनी हुई हैं। इसी कड़ी में वार्ड क्रमांक 7 स्थित एलआईसी कार्यालय की बाउंड्री वॉल इन दिनों गंभीर रूप से जर्जर अवस्था में है। दीवार कई स्थानों से दरक चुकी है और बारिश के कारण उसकी स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह दीवार कभी भी भरभराकर गिर सकती है, जिससे बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। रहवासियों के अनुसार एलआईसी कार्यालय के आसपास दिनभर लोगों की आवाजाही रहती है। स्कूली बच्चे, बुजुर्ग और आम नागरिक इसी मार्ग से गुजरते हैं। इतना ही नहीं, आसपास के बच्चे अक्सर इसी क्षेत्र में खेलते भी हैं। ऐसे में यदि तेज बारिश या किसी अन्य कारण से दीवार गिरती है तो जनहानि से इनकार नहीं किया जा सकता। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि चार मंजिला भवन हादसे के बाद प्रशासन को नगर के सभी जर्जर भवनों और दीवारों का तत्काल सर्वे कर उन्हें हटाने की कार्रवाई करनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि हादसे से कोई ठोस सबक नहीं लिया गया। लोगों का आरोप है कि प्रशासन किसी नए हादसे का इंतजार कर रहा है। नगरवासियों ने जिला प्रशासन, नगर पालिका और संबंधित विभाग से मांग की है कि एलआईसी कार्यालय की जर्जर बाउंड्री वॉल का तत्काल निरीक्षण कराया जाए और आवश्यकता पड़ने पर उसे गिराकर नई सुरक्षित दीवार का निर्माण कराया जाए। समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो बारिश के मौसम में यह दीवार किसी भी समय बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित विभागों की होगी।

भारी वाहनों ने उजाड़ी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क

रेउला-लामाटोला मार्ग पर सफर बना जानलेवा

गड्ढों में तब्दील मार्ग से ग्रामीणों का निकलना हुआ मुश्किल

हरिभूमि न्यूज कोतमा। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की दूरदर्शी सोच के तहत शुरू की गई प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर और सुरक्षित सड़क संपर्क उपलब्ध कराना था, ताकि गांवों के लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बाजार तक आसान पहुंच मिल सके। लेकिन कोतमा क्षेत्र में इस महत्वाकांक्षी योजना की तस्वीर कुछ और ही बयां कर रही है। केशवाही रोड से रेउला होते हुए लामाटोला तक जाने वाली प्रधानमंत्री ग्राम सड़क आज बदहाली की ऐसी कहानी कह रही है, जहां विकास की जगह गड्ढे और धूल ने ले ली है। यह सड़क कई गांवों को कोतमा नगर से जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है, लेकिन वर्षों से इसकी मरम्मत नहीं होने के कारण सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। बरसात शुरू होते ही हालात और भी गंभीर हो गए हैं। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढों में पानी भर जाने से वाहन चालकों को रास्ते का अंदाजा तक नहीं लग पाता। दोपहिया वाहन चालक आए दिन फिसलकर दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं, जबकि चारपहिया वाहन चालक इस मार्ग से गुजरने से बचते हैं।

बंजारी तिराहा से डोगरा टोला तक गड्ढों की भरमार

केशवाही से लामाटोला जाने वाले मार्ग पर बंजारी तिराहा से ही सड़क की बदहाली शुरू हो जाती है। डोगरा टोला तक एक दर्जन से अधिक बड़े गड्ढे बने हुए हैं। बारिश के दौरान इनमें पानी भर जाने से सड़क तालाब जैसी दिखाई देती है। भारी वाहनों के गुजरने पर गंदा पानी सड़क किनारे स्थित दुकानों और मकानों तक पहुंच जाता है, जिससे स्थानीय लोगों को

भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

कच्चा रास्ता बना ग्रामीणों की मजबूरी

सड़क की जर्जर स्थिति से परेशान ग्रामीण अब पक्की सड़क छोड़कर उसके किनारे बने कच्चे रास्ते से आवागमन करने को मजबूर हैं। मरीजों को अस्पताल ले जाना हो, बच्चों को स्कूल पहुंचाना हो या फिर दैनिक जरूरतों के लिए कोतमा बाजार जाना हो, हर सफर जोखिम भरा बन गया है। ग्रामीणों का कहना है कि मौजूदा हालत में यह पक्की सड़क कच्चे रास्ते से भी बदतर हो चुकी है।

12 टन क्षमता की सड़क पर दौड़ रहे 40 टन के भारी वाहन

जानकारों के अनुसार प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनने वाली सड़कें सीमित भार क्षमता को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं। इस मार्ग की डिजाइन क्षमता लगभग 12 टन है, जबकि इस पर 20 से 40 टन तक क्षमता वाले भारी व्यावसायिक वाहन धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं। लगातार भारी वाहनों के दबाव के कारण सड़क समय से पहले ही क्षतिग्रस्त हो गई है और अब पूरी तरह उखड़ने की कगार पर पहुंच गई है।

मेंटेनेंस की जिम्मेदारी पर भी उठ रहे सवाल

ग्रामीणों का कहना है कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के नियमों के अनुसार निर्माण एजेंसी या ठेकेदार को निर्धारित अवधि तक सड़क का रखरखाव और गड्ढों की मरम्मत करनी होती है। इसके अलावा संबंधित अधिकारियों को भी समय-समय पर सड़क का निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत करानी चाहिए। लेकिन वर्षों से सड़क की हालत बिगड़ती रही और किसी ने ध्यान नहीं दिया। नतीजा यह है कि आज पूरा मार्ग गड्ढों में तब्दील हो चुका है।

ग्रामीणों ने की तत्काल मरम्मत की मांग

क्षेत्रवासियों ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारियों और जिला प्रशासन से मांग की है कि केशवाही-रेउला-लामाटोला मार्ग की तत्काल मरम्मत कराई जाए। साथ ही इस मार्ग पर क्षमता से अधिक भार वाले वाहनों के संचालन पर सख्ती से रोक लगाई जाए, ताकि करोड़ों रुपये की लागत से बनी सड़क को बचाया जा सके और ग्रामीणों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

मंत्री के गांव की सड़क बनी दलदल

दुर्वासिन की बदहाल राहों पर हर कदम जोखिम आखिर जनता किससे लगाए गुहार?

बदरा/जमुना। जिले के ग्रामीण क्षेत्र दुर्वासिन और आसपास के गांवों की सड़कें इन दिनों लोगों के लिए बड़ी मुसीबत बन गई हैं। लगातार हो रही बारिश के कारण सड़क पूरी तरह कीचड़ और गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। हालत यह है कि यदि कोई व्यक्ति दोपहिया वाहन लेकर इस मार्ग से निकलने की कोशिश करता है तो उसके फिसलकर गिरने या कीचड़ में फंसने की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग अब सड़क कम और दलदल अधिक नजर आता है। सबसे हैरानी की बात यह है कि इसी क्षेत्र के समीप प्रदेश सरकार में कई बार मंत्री रहे और वर्तमान विधायक बिसाहूलाल सिंह का निवास भी है। इसके बावजूद सड़क की ऐसी दुर्दशा स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। ग्रामीण सवाल उठा रहे हैं कि जब जनप्रतिनिधि के गृह क्षेत्र की सड़क का यह हाल है, तो दूरदराज के गांवों की स्थिति का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। ग्रामीणों के अनुसार बारिश शुरू होते ही इस मार्ग पर आवागमन लगभग ठप्पवार हो जाता है। स्कूल जाने वाले बच्चों, मरीजों, किसानों और रोजमर्रा के काम से आने-जाने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कई बार वाहन चालक कीचड़ में फंस जाते हैं, जबकि पैदल चलने वालों को भी गिरकर चोट लगने का खतरा बना रहता है। आपातकालीन स्थिति में एम्बुलेंस या अन्य जरूरी वाहन भी समय पर पहुंच पाएंगे या नहीं, इसे लेकर ग्रामीण चिंतित हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की बदहाली की शिकायत कई बार संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों तक पहुंचाई गई, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हो सका। बरसात के हर मौसम में यही स्थिति बनती है और कुछ समय बाद मामला फिर ठंडे बस्ते में चला जाता है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, लोक निर्माण विभाग तथा जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि दुर्वासिन क्षेत्र की इस जर्जर सड़क का तत्काल निरीक्षण कराया जाए और प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत अथवा पुनर्निर्माण कराया जाए। उनका कहना है कि सड़क केवल विकास का प्रतीक नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आम जनजीवन की जीवनरेखा है। तस्वीर में स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि सड़क पूरी तरह कीचड़ से पट चुकी है। यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। अब देखना यह होगा कि शासन-प्रशासन ग्रामीणों की इस पीड़ा को कब गंभीरता से लेकर राहत पहुंचाता है।

अवैध उत्खनन पर भडक़ी एसडीएम, करोड़ों की मशीनें और हाईवा जब्त

घोड़छत्र नदी पर प्रशासन का अचानक छापा

उमरिया। जिले में बहने वाली जीवनदायिनी नदियों का सीना चीर कर चांदी काट रहे अवैध खनन माफिया के खिलाफ प्रशासन ने अब तक की सबसे बड़ी और कडक़ कार्रवाई की है। घोड़छत्र नदी के आंचल को छलनी कर रही खनन गतिविधियों पर शिकंजा कसते हुए एसडीएम मीनाक्षी बंजारे ने भारी पुलिस बल के साथ मौके पर धावा बोल दिया। प्रशासन की इस अचानक हुई एंट्री से मौके पर भगदड़ मच गई। कार्रवाई के दौरान एसडीएम ने वहां काम कर रही टीबीसीएल कंपनी के नुमाइंदों से उत्खनन से संबंधित वैध रॉयल्टी, अनुमति और आवश्यक तकनीकी दस्तावेज मांगे, लेकिन रसूख के दम पर नियमों को ठेंगा दिखाने वाली कंपनी के कर्मचारी मौके पर एक भी कागज पेश नहीं कर सके।

लाल सोने के खेल पर कड़ा प्रहार

बिना अनुमति के धड़ल्ले से चल रहे इस खेल पर कड़ा प्रहार करते हुए प्रशासन ने मौके से रेत के अवैध परिवहन में लगे 3 हाईवा, एक विशालकाय चेन माउंटेड उत्खनन मशीन (पोकलेन) और एक ट्रेलर को रंगे हाथों दबोच कर अपने कब्जे में ले लिया। प्रशासनिक टीम ने मौके पर ही पंचनामा तैयार कर सभी वाहनों को कुर्क कर लिया है।

यह कहता है कानून

बिना वैध अनुमति और स्वीकृत लीज के खनिज निकालना खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 के तहत गैर-जमानती और गंभीर अपराध है। इसके अलावा, राष्ट्रीय हरित अधिकरण के सख्त नियमों के मुताबिक, किसी भी नदी के जलप्रवाह को रोककर या भारी चेन मशीनों (पोकलेन) से नदी के भीतर से रेत निकालना पूरी तरह प्रतिबंधित है।

माफियाओं में हडक़ंप

सूत्रों की मानें तो इस जब्ती के बाद अब माइनिंग और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम यह जांच कर रही है कि इस प्रतिबंधित क्षेत्र में किसकी शह पर यह काला कारोबार फल-फूल रहा था। यदि जांच में लीज शर्तों का उल्लंघन या पूर्णतः अवैध उत्खनन की पुष्टि होती है, तो कंपनी पर करोड़ों रुपये का जुर्माना और एफआईआर होना तय है। एसडीएम मीनाक्षी बंजारे की इस कार्रवाई से जिले के रसूखदार खनन माफियाओं और उनके सियासी आकाओं में हडक़ंप मच गया है।

खबर संक्षेप

जनप्रतिनिधियों ने रोपे विभिन्न प्रजातियों के पौधे

कटनी। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित शहर के संकल्प को साकार करने की दिशा में नगर निगम द्वारा महाराणा प्रताप वार्ड अंतर्गत झिंझरी तालाब के आसपास पौधरोपण अभियान संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न प्रजातियों के छायादार एवं पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण पौधों का रोपण कर हरित वातावरण के संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया गया। इस अवसर पर महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी, नगर निगम अध्यक्ष मनीष पाठक तथा क्षेत्रीय पार्षद एवं एमआईसी सदस्य तुलसा गुलाब बेन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने बरगद, कदंब सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया। जनप्रतिनिधियों ने नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण संतुलन ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का भी आधार हैं। प्रत्येक नागरिक को पौधरोपण के साथ-साथ उसकी नियमित देखभाल का दायित्व भी निभाना चाहिए।

1.95 लाख नकदी सहित जेवरात किये चोरी

कटनी। उपनगरीय क्षेत्र माधवनगर अंतर्गत एमईएस कालोनी में चोरों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। यहाँ एक कास्मेटिक कारोबारी के सूने मकान को निशाना बनाते हुए अज्ञात चोरों ने लाखों रुपये की चोरी की घटना को अंजाम दिया। वारदात के बाद से क्षेत्र के व्यापारियों और नागरिकों में भय का माहौल बना हुआ है। वारदात 6 और 7 जुलाई की दरम्यानी रात की बताई जा रही है। मकान मालिक और कास्मेटिक कारोबारी अनिल कलवानी अपने परिवार के साथ घर पर ताला लगाकर ससुराल गए हुए थे। मकान को सूना पाकर अज्ञात चोरों ने दाखिल होकर भीतर रखी आलमारी का ताला तोड़ दिया। कारोबारी के अनुसार चोर आलमारी में रखे 1,95,000 नगद सहित सोने की चेन और लॉकेट, सोने-चांदी के कान के बाले व अन्य कीमती जेवरात लेकर चंपत हो गए। परिवार ससुराल से वापस लौटा तब घर के बिखरे हुए सामान और टूटे ताले को देखकर चोरी की इस वारदात का खुलासा हुआ।

डिजिटल जीवन प्रमाणन हेतु विशेष अभियान जारी

कटनी। शासन के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एनएसएपी) अंतर्गत संचालित पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों का डिजिटल जीवन प्रमाणन समय-सीमा में पूर्ण कराने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम कटनी द्वारा सात दिवसीय विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। नगर निगम प्रशासन ने सभी पात्र पेंशन हितग्राहियों से अपील की है कि वे अपने वार्ड में नियुक्त निगम कर्मचारियों से संपर्क कर आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराएं तथा डिजिटल जीवन प्रमाणन की प्रक्रिया में सहयोग करें। समय पर जीवन प्रमाणन पूर्ण होने से पेंशन राशि का भुगतान निर्बाध रूप से जारी रहेगा।

मार्गो से हटाए गये 124 अवैध बैनर-पोस्टर

कटनी। निगम प्रशासन की अतिक्रमण टीम द्वारा शहर के विभिन्न मुख्य मार्गों और चौराहों पर विशेष अभियान चलाकर विद्युत पोलों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर अनाधिकृत रूप से लगे कुल 124 अवैध छोटे-बड़े बैनर और पोस्टरों को हटाने की कार्यवाही की गई। नगर निगम प्रशासन का स्पष्ट मानना है कि शहर की सुंदरता और व्यवस्थित सड़कों से झलकती है। चौराहों और ओवरब्रिज पर बेतरतीब ढंग से लगाए गए ये होर्डिंग्स न सिर्फ शहर की दृश्य सुंदरता को बिगाड़ते हैं, बल्कि वाहन चालकों का ध्यान भटकाकर गंभीर हादसों को भी आमंत्रण देते हैं।

खैरहा क्षेत्रांतर्गत अमरहा साप्ताहिक बाजार में सराफा व्यापारी का सोने-चांदी के आभूषणों से युक्त बैग अज्ञात चोरों ने किया पार

बुढार। खैरहा क्षेत्रांतर्गत अमरहा साप्ताहिक बाजार में सराफा व्यापारी के जेवरात से भरे बैग की चोरी को अज्ञात चोरों ने पार कर दिया जिसका सिंहपुर थाने में दर्ज कराया गया किन्तु अर्सा 12 दिन गुजर जाने के बाद चोरों का पता नहीं लग सका। पुलिस द्वारा अभी तक न तो चोरों का सुराग लगा सकी है और न ही चोरी गए जेवरात ही बरामद हो सका हैं।

इस संदर्भ में खैरहा निवासी सतेन्द्र कुमार सोनी ने जानकारी देते हुये बताया कि - 28 जून को अमरहा बाजार में दुर्गा मंदिर के पीछे सोने-चांदी के आभूषणों की दुकान मैं लगाया हुआ था, शायं करीब 7:40 बजे दुकान समेटने के बाद सभी जेवरात और 21,250 रुपये नकद एक बैग में रख दिया। इसी बीच आवश्यक कार्य से मैं कुछ देर के लिये पास के व्यापारी के पास बैग रखकर चला गया और वापस लौटने पर बैग गायब था। पीड़ित ने यह दावा किया है कि - बैग में 45 लाख रुपये से अधिक मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण थे, जबकि पुलिस ने एफआईआर में 4 लाख 50 हजार रुपये की चोरी दर्ज की है, और वाक्या का सीसीटीवी फुटेज से भी कोई सुराग नहीं मिल सका है।

रिपोर्ट कर्ता का यह कहना है कि - घटनास्थल के पास सीसीटीवी कैमरे लगे थे, लेकिन कैमरे का एंगल सही नहीं होने और घटना के समय बिजली गुल रहने के कारण फुटेज से कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी। पुलिस विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है और संदिग्धों की तलाश कर रही है, जिसमें पुलिस को अभी तक सफलता नहीं मिली है।

व्यापारियों में बढ़ी चिंता, जल्द खुलासे की मांग : घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों में सुरक्षा को लेकर चिंता का माहौल है, क्यों कि अर्सा 12 दिवस बीतने के बावजूद पुलिस के हाथ खाली होने से व्यापारियों में असंतोष बना हुआ है। पीड़ित ने पुलिस प्रशासन से अज्ञात बदमाशो का शीघ्र पता लगाने का आग्रह किया है।

वर्षा ऋतु में सतर्क रहें, सर्पदंश होने पर तुरंत अस्पताल पहुंचे: सीएमएचओ

उमरिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही. एस. चंदेल ने जिलेवासियों से वर्षा ऋतु एवं बदलते मौसम को देखते हुए विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान सांप एवं अन्य जहरीले जीव-जंतुओं के निकलने की संभावना बढ़ जाती है, इसलिए रात्रि के समय अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें। यदि आवश्यक कार्य से बाहर जाना पड़े तो टॉर्च का उपयोग अवश्य करें, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके। डॉ. चंदेल ने घर एवं आसपास साफ-सफाई बनाए रखने तथा झाड़ियों एवं कचरे को हटाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को सांप काट ले तो झाड़-फूंक या पारंपरिक उपचार में समय न गंवाएं, बल्कि तुरंत निकटतम शासकीय अस्पताल पहुंचाएं। पीड़ित को शांत रखें, काटे गए अंग को स्थिर रखें और यदि उस स्थान पर अंगूठी, घड़ी, जूते या तंग कपड़े हों तो उन्हें तुरंत हटा दें। मरीज को स्ट्रेचर पर बाईं करवट लिटाकर सुरक्षित रूप से अस्पताल ले जाएं। उन्होंने बताया कि सर्पदंश संबंधी किसी भी जानकारी या सहायता के लिए राज्य स्तर के टोल फ्री नंबर 15400 अथवा 104 पर संपर्क किया जा सकता है। समय पर उपचार ही सर्पदंश से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

राहुल-प्रियंका गांधी सेना कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष का दायित्व विद्याभूषण सहित निष्ठावानो को प्रदत्त किया

बुढार। राहुल प्रियंका गांधी सेना (कांग्रेस) की महत्वपूर्ण बैठक बुढार में कांग्रेस नेता एवं राहुल प्रियंका सेना के जिलाध्यक्ष रामसजीवन शर्मा के आतिथ्य में आयोजित की गई।

कांग्रेस पार्टी के राहुल प्रियंका सेना कांग्रेस के संगठनात्मक विषयों पर जिलाध्यक्ष रामसजीवन शर्मा ने उपस्थित पार्टी जनों को विस्तार पूर्वक अवगत कराया और संगठन के महत्वपूर्ण दायित्वों की राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश शर्मा एवं म.प्र. प्रभारी चन्द्रिका प्रसाद द्विवेदी के स्वीकृति तथा प्रदेश अध्यक्ष कैलाश राठौर एवं शहडोल जिलाध्यक्ष रामसजीवन शर्मा के सहमति से निष्ठावान कांग्रेस जनों को संगठन की जवाबदेही प्रदत्त करते हुये उन्हें नियुक्ती पत्र आहूत बैठक में प्रदत्त किया गया।

कांग्रेस पार्टी के समर्पित निष्ठावान, विद्याभूषण शुक्ला (एड.) को राहुल प्रियंका गांधी सेना (कांग्रेस) का वरिष्ठ उपाध्यक्ष पर नियुक्ति प्रदान की गई, वहीं रामसजीवन कचेर, रमेश पाल, रामेश्वर प्रसाद गौतम, रामलखन नापित, जनार्दन मिश्रा, मनोज द्विवेदी को उपाध्यक्ष का दायित्व एवं सन्तराम मिश्रा को सचिव पद का दायित्व प्रदान किया गया और बैठक में नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदत्त किया गया।

राहुल प्रियंका गांधी सेना कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रामसजीवन शर्मा ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामना देते हुये कहाकि- कांग्रेस पार्टी के इस संगठन को सशक्त बनाने तथा बुनियादी समस्याओं के समाधान के लिये आमजनों से सतत सम्पर्क कर समस्या के समाधान की दिशा में रचनात्मक पहल करने तथा कांग्रेस पार्टी को और अधिक मजबूत बनाने हो सके मिले दायित्वो का निर्वहन करें और अपने-अपने क्षेत्रों में संगठन को मजबूती दिलायें ऐसी आकांक्षायें हैं।

कोयला मंत्रालय की स्टार रेटिंग में चमका रामपुर बटुरा OCM2024-25 के मूल्यांकन में मिली 3-स्टार रेटिंग

लक्ष्य से अधिक उत्पादन और सुरक्षा-पर्यावरण के बेहतर प्रदर्शन का मिला पुरस्कार, महाप्रबंधक बी.के. जेना के मार्गदर्शन व उपक्षेत्रीय प्रबंधक संदीप शर्मा तथा खान प्रबंधक अर्जुन जोडे के नेतृत्व में मिली उपलब्धि, पूरी टीम की मेहनत रंग लाई

धनपुरी। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (SECL) के सोहागपुर क्षेत्र की रामपुर बटुरा खुली खदान (OCM) ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन का परचम लहराया है। भारत सरकार के कोयला मंत्रालय द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए जारी स्टार रेटिंग में रामपुर बटुरा OCM को 3-स्टार रेटिंग प्रदान की गई है। यह सम्मान खदान के सुरक्षित, वैज्ञानिक और पर्यावरण-अनुकूल खनन के साथ-साथ लक्ष्य से अधिक उत्पादन, बेहतर कार्यप्रणाली और टीमवर्क की राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान है।रामपुर बटुरा OCM ने वर्ष 2024-25 में निर्धारित उत्पादन लक्ष्य को पार करते हुए उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। इसी उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर कोयला मंत्रालय ने सात प्रमुख मानकों पर मूल्यांकन के बाद खदान को ₹अच्छे प्रदर्शनऱ की श्रेणी में 3-स्टार रेटिंग प्रदान की।इस सफलता का श्रेय क्षेत्रीय महाप्रबंधक बी.के. जेना के दूरदर्शी मार्गदर्शन, उपक्षेत्रीय प्रबंधक संदीप शर्मा के प्रभावी नेतृत्व तथा खान प्रबंधक अर्जुन जोडे की बेहतर कार्ययोजना और मैदानी समन्वय को दिया जा रहा है। अधिकारियों के नेतृत्व में पूरी टीम ने सुरक्षा, उत्पादन और गुणवत्ता के बीच बेहतर संतुलन स्थापित करते हुए यह मुकाम हासिल किया।सात मानकों पर हुई कड़ी पड़तालकोयला मंत्रालय प्रत्येक वर्ष देश की कोयला खदानों का व्यापक मूल्यांकन करता है। इसमें सुरक्षा व्यवस्था, पर्यावरण संरक्षण, वैज्ञानिक खनन, उत्पादन एवं उत्पादकता, कार्य दक्षता, पुनर्वास एवं सीएसआर गतिविधियां तथा सतत विकास जैसे सात प्रमुख

बिंदुओं पर अंक दिए जाते हैं। रामपुर बटुरा OCM इन सभी मानकों पर बेहतर प्रदर्शन करते हुए 3-स्टार रेटिंग प्राप्त करने में सफल रहा।सैकड़ों श्रमिकों की मेहनत का मिला सम्मानमहाप्रबंधक बी.के. जेना ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरी टीम की सामूहिक मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि खदान के अधिकारी, कर्मचारी, ठेका श्रमिक और प्रत्येक विभाग ने समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कार्य किया है। अब पूरी टीम का लक्ष्य आने वाले वर्षों में 5-स्टार रेटिंग हासिल करना है।हर विभाग ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिकाखदान प्रबंधन ने इस उपलब्धि के लिए कांटा घर, कोल स्टॉक, माइनिंग सुपरवाइजर, डंपर ऑपरेटर, डोजर ऑपरेटर, ग्रेडर ऑपरेटर, एक्सकेवेशन टीम, ईएंडएम विभाग, सिविल विभाग, सर्वे विभाग, सिक्योरिटी विभाग, ब्लास्टिंग टीम, इलेक्ट्रिकल विभाग, डोलू कंपनी की टीम, ठेका श्रमिकों तथा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े सभी

कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।प्रबंधन ने कहा कि सुरक्षित कार्य संस्कृति, अनुशासित संचालन और निरंतर उत्पादन के पीछे प्रत्येक कर्मचारी का महत्वपूर्ण योगदान है। सभी की मेहनत और समर्पण को कभी भुलाया नहीं जा सकता।अब 5-स्टार रेटिंग पर नजररामपुर बटुरा OCM की टीम ने संकल्प लिया है कि आने वाले वर्षों में उत्पादन, सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और गुणवत्ता के क्षेत्र में और बेहतर प्रदर्शन करते हुए 5-स्टार रेटिंग हासिल की जाएगी तथा सोहागपुर क्षेत्र को SECL में नंबर-1 बनाने के लक्ष्य को पूरा किया जाएगा।एक नजररामपुर बटुरा OCM को मिली 3-स्टार रेटिंग केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि यह सुरक्षित खनन, बेहतर प्रबंधन, श्रमिकों की प्रतिबद्धता और टीम भावना का राष्ट्रीय स्तर पर मिला सम्मान है। यह उपलब्धि निश्चित रूप से सोहागपुर क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है और आने वाले समय में नई ऊंचाइयों की प्रेरणा भी बनेगी।

स्थानांतरण आदेश के बाद लाखों के भुगतान पर उठे सवाल

ग्राम पंचायत तिखवा का मामला: कलेक्टर से उच्चस्तरीय वित्तीय, तकनीकी एवं प्रशासनिक जांच की मांग

ब्यौहारी /शहडोल जनपद पंचायत ब्यौहारी की ग्राम पंचायत तिखवा में ग्राम पंचायत सचिव के स्थानांतरण आदेश के बाद भी पूर्व पदस्थापना पर कार्य करने तथा □6,42,715 के वित्तीय आहरण/भुगतान किए जाने के आरोपों को लेकर कलेक्टर शहडोल के समक्ष जनहित में शिकायत प्रस्तुत की गई है। शिकायत में पूरे मामले की निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच कराने की मांग की गई है।

स्थानांतरण आदेश के पालन पर प्रश्नचिन्ह

शिकायत के अनुसार जिला पंचायत शहडोल द्वारा 16 जून 2026 को ग्राम पंचायत सचिवों के स्थानांतरण आदेश जारी किए गए थे। आरोप है कि संबंधित सचिव ने नवीन पदस्थापना पर विधिवत कार्यभार ग्रहण किए बिना पूर्व पदस्थापना से शासकीय कार्य एवं वित्तीय प्रक्रियाएं जारी रखीं। शिकायतकर्ता ने यह भी जांच कराने की मांग की है कि क्या इसके लिए किसी सक्षम अधिकारी द्वारा लिखित अथवा मौखिक अनुमति प्रदान की गई थी।

अभिलेखों की विस्तृत जांच की मांग

शिकायत में स्थानांतरण आदेश के बाद किए गए सभी भुगतानों की जांच के लिए मस्टर रोल, मापन पुस्तिका (एम.बी.), कार्यादेश, बिल, वाउचर, एफटीओ, बैंक भुगतान विवरण तथा अन्य संबंधित अभिलेखों का परीक्षण कराने का अनुरोध किया गया है, ताकि वित्तीय एवं प्रशासनिक स्थिति स्पष्ट हो सके।

दोष सिद्ध होने पर वैधानिक कार्रवाई की मांग

शिकायत में कहा गया है कि यदि जांच में स्थानांतरण आदेश की अवहेलना, वित्तीय अनियमितता, पद के दुरुपयोग अथवा शासकीय धन के दुरुपयोग के तथ्य प्रमाणित होते हैं, तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम, 1993, मध्यप्रदेश पंचायत सेवा (आचरण) नियम, मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 सहित अन्य लागू वित्तीय नियमों के तहत विभागीय कार्रवाई की जाए। साथ ही, यदि पर्याप्त आपराधिक साक्ष्य प्राप्त हों, तो भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023 एवं अन्य लागू विधिक प्रावधानों के अनुसार सक्षम प्राधिकारी द्वारा आवश्यक दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने की भी मांग की गई है।

जांच के बाद ही होगी स्थिति स्पष्ट

शिकायतकर्ता ने स्पष्ट किया है कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति को दोषी ठहराना नहीं, बल्कि शासन के आदेशों का पालन, शासकीय धन के उपयोग में पारदर्शिता तथा निष्पक्ष जांच सुनिश्चित कराना है।

चौकी प्रभारी के बदलते ही बदलने लगी कानून व्यवस्था की फिजा

पहले अवैध उत्खनन फिर अवैध शराब व्यवसाय पर कसा शिंकजा

बिरसिंहपुर पाली। जिले के पाली थाना के घुनघुटी चौकी प्रभारी के बदलते ही कानून व्यवस्था को व्यवस्थित करने में नये चौकी प्रभारी ने बिसात बिछा दी है। मालुम होवे की जिले के पुलिस अधीक्षक ने जिले में अपराधिक गतिविधियों में लगाम लगाने के लिए थाना प्रभारियो और चौकी प्रभारियों को सख्त निर्देश दिये गये हैं की कही भी किसी भी सूरत में अपराधिक गतिविधियों का संचालन नहीं होना चाहिए। पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में घुनघुटी चौकी प्रभारी शैलेंद्र चर्तुवेदी ने अपनी जमीन तैयार कर अपराधियों पर लगाम लगाना शुरू कर दिया है। मालुम होवे की चौकी प्रभारी ने पहले दिन अवैध उत्खनन पर कार्यवाही करते हुए एक टेक्टर जो की बिना रायल्टी के गिट्टी ओदरी गाँव में पकड़ा गया था, बताया जाता है कि टेक्टर क्र एम पी -54 ए 7604 को जब्त कर नियमानुसार कार्यवाही की गयी थी, की आज घुनघुटी से चौरी पैकारी के लिए अनुमानित कीमत मशरूका लगभग 1,0 6,610 रूपये की जिसमें 50 पाव देशी मदिरा, 06 नग जीनियस, 12 पाव गोवा, 06 मदिरा मशाला और 05 ब्यूली चिप की खेप ले जाते मोटर साइकल क्र एम पी -54 जेड बी 2804 के साथ जब्त कर वैधानिक कार्यवाही की गयी है। विदित होवे की जब से नये चौकी प्रभारी शैलेंद्र चर्तुवेदी ने कमान संहाली है, अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अवांछित तत्वों में हडकंप मची हुई है, श्री चर्तुवेदी की कार्य शैली से आमजनों में कानून पर विश्वास बनता जा रहा है। लोगों ने उनके इस कार्य शैली की खुले मन से सराहना की है। चौकी प्रभारी के इस कार्य कुशलता के साथ उनकी टीम में गणेश सिंह परस्ते,प्रधान आरक्षक, आदर्श सिंह बघेल प्रधान आरक्षक और दिलीप सिंह राठौर आरक्षक की भूमिका प्रशंसनीय रही।

परियोजना अधिकारी एवं बीएमओ ने किया संयुक्त एक्सपोजर विजिट

हरिभूमि न्यूज ⏭ बड़वारा

कलेक्टर द्वारा दिए गए निर्देश अनुसार विकासखंड बड़वारा के ग्राम रोहनिया में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के अवसर पर आंगनबाड़ी एवं ग्राम आरोग्य केंद्र में सीडीपीओ इंद्र कुमार साहू एवं प्रभारी ब्लाक मेडिकल आफिसर आयुष जाधव द्वारा संयुक्त विजिट किया गया जिसमें 10 ANC, 07PNC, एवं 10 बच्चो का टीकाकरण करना पाया गया निरीक्षण के समय कोई भी गर्भवती महिला हाई रिस्क नहीं पाई गई अधिकारियों द्वारा उपास्थित हित ग्राहियों की काउंसलिंग की गयी, निरीक्षण के समय संबंधित स्वास्थ्य और महिला बाल विकास की टीम को समझाइस दी गई एवं गर्भवती धात्री माताओ sam एवं mam बच्चों के संबंध मे की जाने वाली जांचो को ठीक तरह से करने की हिदायत दी गयी।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत मुक्तिधाम परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

उमरिया। पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कलेक्टर राखि सहाय व जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह के मार्गदर्शन पर जिले की सक्रिय युवाओं की टोली युवा टीम उमरिया द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत मुक्तिधाम पाली परिसर में बिरसिंहपुर पाली में फलदार,छायादार व औषधीय पौधे लगाकर पौधारोपण कर पौधों के संरक्षण के उद्देश्य एवं पौधों को वृक्ष बनाने का संकल्प लिया गया।

युवाओं ने कहा कि पेड़ों की संख्या कम होने पर वातावरण में प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। मानव जीवन के लिए जल एवं वायु दोनों आवश्यक है।पौधरोपण आज की आवश्यकता है। एक पेड़ मां के नाम अभियान इसी

दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आगे कहा कि इस अभियान को जनता ने पूरे उत्साह के साथ अपनाया है और यह अभियान लगातार एक नई हरित क्रान्ति का रूप ले रहा है। पर्यावरण मित्र हिमांशु तिवारी ने बताया कि पेड़ हमें ऑक्सीजन, फल, छाया और जीवन के अन्य अनेक आवश्यक तत्व प्रदान करते हैं। इसी प्रकार एक मां हमें अपने स्नेह, समर्थन और पोषण से जीवन की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार करती है। पेड़ लगाने की इस पहल से हम अपने आस-पास के वातावरण को हरा-भरा बनाते हैं, जिससे पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान मिलता है। जागरूकता रैली व पौधारोपण के दौरान पर्यावरण मित्र हिमांशु तिवारी, नेहा सिंह,राहुल सिंह,रुद्र प्रधान,दिशा पाठक व सभी उपस्थित रहे।

वार्ड क्रमांक 4 की प्रियदर्शनी कॉलोनी में सड़क नही, जलभराव से रहवासी बेहाल

अमलाई। नगर परिषद बकहो के वार्ड क्रमांक 4 स्थित प्रियदर्शनी कॉलोनी के रहवासी वर्षों से मूलभूत सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे हैं। कॉलोनी में आज तक पक्की सड़क का निर्माण नहीं हो रही है। हल्की बारिश होते ही कच्चा मार्ग दलदल में तब्दील हो जाता है और जगह-जगह पानी भर जाने से लोगों का निकलना मुश्किल हो जाता है।बारिश के बाद सड़क पर कई दिनों तक पानी जमा रहने से पैदल चलना भी चुनौती बन जाता है। स्कूल जाने वाले बच्चों, बुजुर्गों और दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जलभराव के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है, जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार नगर परिषद और जनप्रतिनिधियों से सड़क निर्माण व नाली निर्माण की मांग की गई, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। विकास के दावों के बीच कॉलोनी के लोग आज भी कच्ची सड़क और जलभराव की समस्या झेलने को मजबूर हैं। रहवासियों ने नगर परिषद प्रशासन से मांग की है कि प्रियदर्शनी कॉलोनी में शीघ्र पक्की सड़क और जल निकासी के लिए नाली का निर्माण कराया जाए, ताकि लोगों को रोजाना होने वाली परेशानी से राहत मिल सके।

ओपीएम कर्मचारी कॉलोनी के मकान हुए जर्जर, बारिश में टपक रही छतें, कर्मचारियों की सुरक्षा पर मंडराया खतरा

अमलाई। ओरिएंट पेपर मिल (ओपीएम) की कर्मचारी कॉलोनी में रहने वाले कर्मचारियों और उनके परिवारों की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। वर्षों पुराने आवासों की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि बारिश शुरू होते ही छतों से पानी टपकने लगता है। कई मकानों की छतों का प्लास्टर उखड़ चुका है और लोहे की सरिया तक बाहर दिखाई देने लगी है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है।बारिश के दौरान मकानों के कमरों में पानी रिसने से दीवारों में सीलन फैल गई है। कई स्थानों पर छत का प्लास्टर गिर रहा है, जिससे परिवार दहशत के साए में रहने को मजबूर हैं। कर्मचारियों का कहना है कि कई बार संबंधित अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकर्षित कराया गया, लेकिन अब तक स्थिति जस की तस है। रहवासियों का आरोप है कि कॉलोनी के मकानों की लंबे समय से न तो मरम्मत कराई गई और न ही जर्जर छतों का पुनर्निर्माण कराया गया। लगातार हो रही बारिश ने स्थिति को और भी गंभीर बना दिया है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई तो किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है।कर्मचारियों ने प्रबंधन से मांग की है कि जर्जर आवासों का तत्काल सर्वे कराकर छतों की मरम्मत एवं आवश्यक निर्माण कार्य कराया जाए, ताकि कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

जैन मंदिर के पास रोजाना हजारों लीटर पानी हो रहा बर्बाद

अमलाई। नगर परिषद बकहो के वार्ड क्रमांक 3 स्थित जैन मंदिर के समीप पिछले लगभग छह से सात महीनों से पेयजल पाइपलाइन फटी हुई है। पाइपलाइन से प्रतिदिन सुबह और शाम पानी का लगातार रिसाव हो रहा है, जिससे सड़क किनारे जलभराव की स्थिति बनी रहती है। गंदा पानी नाली में जमा होने से आसपास के लोगों के सामने गंभीर स्वास्थ्य संकट खड़ा हो गया है।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि फूटी पाइपलाइन के कारण नाली का गंदा पानी पाइपलाइन के संपर्क में आ रहा है। इससे आशंका है कि दूषित पानी पेयजल आपूर्ति में मिलकर लोगों के घरों तक पहुंच रहा है। मजबूरी में लोग इसी पानी का उपयोग पीने और घरेलू कार्यों के लिए कर रहे हैं, जिससे जलजनित एवं संक्रामक बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है।रहवासियों का आरोप है कि इस समस्या की शिकायत कई बार नगर परिषद के अधिकारियों से की जा चुकी है। अधिकारी मौके का निरीक्षण भी कर चुके हैं, लेकिन छह से सात महीने बीत जाने के बाद भी पाइपलाइन की मरम्मत नहीं कराई गई। परिणामस्वरूप प्रतिदिन हजारों लीटर पेयजल व्यर्थ बह रहा है और आम नागरिकों को दूषित पानी पीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।स्थानीय लोगों ने नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि दूषित पानी के कारण किसी नागरिक की तबीयत बिगड़ती है या क्षेत्र में कोई गंभीर बीमारी फैलती है, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? उन्होंने प्रशासन से तत्काल पाइपलाइन की मरम्मत कर स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने की मांग की है।

खबर संक्षेप

रेलवे की जनसुविधाओं को लेकर 13 जुलाई को विधायक फुन्देलाल सिंह मार्को के नेतृत्व में सौंपा जाएगा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले में लंबे समय से लंबित रेलवे सुविधाओं और जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर कांग्रेस अब आंदोलनात्मक रुख अपनाने जा रही है। आगामी 13 जुलाई सोमवार को सुबह 11 बजे पुष्पराजगढ़ विधायक फुन्देलाल सिंह मार्को के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता अनूपपुर रेलवे स्टेशन पहुंचकर स्टेशन अधीक्षक के माध्यम से रेलवे महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन बिलासपुर के नाम ज्ञापन सौंपेंगे। इसकी जानकारी जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री सत्येंद्र स्वरूप दुबे ने दी। उन्होंने बताया कि ज्ञापन में आम जनता की सुविधाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। इनमें वेकटनगर और निगौरा रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों के स्टॉपेज को लेकर डीआरएम कार्यालय द्वारा दिए गए आश्वासन के बावजूद अब तक कार्रवाई नहीं होने का मामला प्रमुख रहेगा। कांग्रेस इस वादाखिलाफी पर रेलवे प्रशासन से जवाब मांगेगी। साथ ही अनूपपुर रेलवे आरक्षण केंद्र के समय में की गई कटौती से यात्रियों को हो रही परेशानियों का उल्लेख करते हुए पूर्व व्यवस्था बहाल करने की मांग भी की जाएगी। ज्ञापन में अनूपपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक-1 से प्लेटफॉर्म क्रमांक-3 तक प्रस्तावित फुट ओवरब्रिज का निर्माण लंबे समय से अधूरा पड़े रहने का मुद्दा भी शामिल रहेगा। इसके अलावा स्टेशन के सर्कुलेशन एरिया के बाहर सुलभ कॉम्प्लेक्स की सुविधा नहीं होने से यात्रियों को हो रही असुविधा और बढ़ती गंदगी पर भी रेलवे प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया जाएगा। वर्षों से लंबित रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कार्य में हो रही देरी को भी गंभीर विषय बताते हुए इसे शीघ्र पूरा कराने की मांग की जाएगी। जिला कांग्रेस महामंत्री सत्येंद्र स्वरूप दुबे ने कहा कि यह ज्ञापन किसी राजनीतिक उद्देश्य से नहीं, बल्कि आम नागरिकों की सुविधाओं और क्षेत्र के विकास को ध्यान में रखकर सौंपा जा रहा है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों से इस जनहित अभियान में शामिल होकर रेलवे सुविधाओं के लिए आवाज बुलंद करने की अपील की है।

नेशनल हाईवे पर भीषण हादसा, अनूपपुर के 5 लोगों की मौत

चचाई थाने की हेड कांस्टेबल सविता सिंह मार्को व सरपंच पति की मौत, पुलिस महकमे में शोक

चित्रकूट जा रहे परिवार की कार ट्रक से टकराई, एसपी सहित अधिकारियों ने दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज, अनूपपुर। उमरिया जिले में गुरुवार तड़के हुए भीषण सड़क हादसे ने अनूपपुर जिले के लीला गांव की खुशियां पलभर में उजाड़ दीं। चित्रकूट परीक्षा दिलाने जा रहा एक परिवार नेशनल हाईवे-43 पर सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराया। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में चचाई थाने में पदस्थ हेड कांस्टेबल सविता सिंह मार्को, उनके पति एवं लीला गांव के सरपंच कुलपत सिंह, एक अन्य महिला और 3 वर्षीय मासूम की मौत हो गई, जबकि एक युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस के अनुसार दुर्घटना गुरुवार सुबह करीब 3 से 4 बजे के बीच कोतवाली थाना क्षेत्र की सिविल लाइन चौकी अंतर्गत भरौला स्थित सिद्ध बाबा क्षेत्र के पास नेशनल हाईवे-43 पर हुई। अनूपपुर जिले के लीला गांव निवासी परिवार अर्टिगा कार एमपी 18 जेडई 9677 से चित्रकूट जा रहा था। इसी दौरान सड़क किनारे खड़े ट्रक से कार पीछे से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोग बुरी तरह फंस गए। हादसे में लीला गांव के सरपंच कुलपत सिंह (37), उनकी पत्नी एवं चचाई थाने में पदस्थ हेड कांस्टेबल सविता सिंह मार्को (32), प्रियंका सिंह तथा 3 वर्षीय रुद्र प्रताप की मौत हो गई। घायल युवती की हालत गंभीर बताई गई थी जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई।

पुलिस महकमे ने खोई कर्मठ महिला अधिकारी

हेड कांस्टेबल सविता सिंह मार्को अपने कर्तव्यनिष्ठ, अनुशासित और सरल व्यवहार के लिए जानी जाती थीं। उनके असामयिक निधन की खबर मिलते ही अनूपपुर पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम, एसडीओपी नवीन तिवारी सहित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्माओं को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

लीला गांव में पसरा मातम

एक ही परिवार के 5 सदस्यों की मौत से लीला गांव में मातम का माहौल है। गांव में हर आंख नम है और लोग इस दर्दनाक हादसे से स्तब्ध हैं। पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है तथा मृतकों के अंतिम दर्शन के लिए लोगों का तांता लगा रहा। यह हृदयविदारक दुर्घटना पूरे अनूपपुर जिले के लिए गहरे दुःख का विषय बन गई है।

तेज रफ्तार या लापरवाही? जांच शुरू

प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह सड़क किनारे खड़े ट्रक से कार की टक्कर बताई जा रही है। हालांकि पुलिस तेज रफ्तार, दृश्यता और अन्य तकनीकी पहलुओं की भी जांच कर रही है। कार चालक हादसे के बाद मानसिक सदमे में है, इसलिए उसका बयान फिलहाल नहीं लिया जा सका है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के वास्तविक कारणों की पड़ताल शुरू कर दी है।

सड़क सुरक्षा पर फिर उठे गंभीर सवाल

इस दर्दनाक हादसे ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क किनारे खड़े भारी वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि समय रहते चेतावनी संकेत, पर्याप्त रोशनी और सुरक्षित पार्किंग की व्यवस्था होती, तो शायद यह हादसा टाला जा सकता था। लगातार हो रही ऐसी दुर्घटनाएं सड़क सुरक्षा मानकों के प्रभावी पालन की आवश्यकता को फिर से उजागर करती हैं।

थाना प्रभारी सुमित कौशिक के नेतृत्व में तीन गुमशुदा सकुशल दस्तयाब

विशेष अभियान में रामनगर पुलिस को बड़ी सफलता

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले में संचालित विशेष गुमशुदा तलाश अभियान के तहत रामनगर पुलिस ने उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए तीन गुमशुदा व्यक्तियों को सकुशल दस्तयाब कर उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से लंबे समय से अपनों की तलाश में भटक रहे तीन परिवारों को बड़ी राहत मिली है। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर विक्रांत मुराब के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मारकाम तथा एसडीओपी कोतमा आरती शाक्य के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान थाना प्रभारी रामनगर सुमित कौशिक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने लगातार प्रयास, तकनीकी जानकारी और प्रभावी तलाश के माध्यम से तीनों गुमशुदाओं का पता लगाया। कार्रवाई में एएसआई विनोद नाहर एवं आरक्षक मूरत सिंह की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम ने संभावित स्थानों पर लगातार खोजबीन करते हुए सभी गुमशुदाओं को सुरक्षित दस्तयाब किया। आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद तीनों को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। सकुशल दस्तयाब किए गए गुमशुदा (परिवर्तित नाम) इस प्रकार हैं। शंभु केवट, पिता स्व. तानू केवट, उम्र 27 वर्ष, निवासी ग्राम बरतराई, थाना रामनगर (गुम इंसान क्रमांक 13/26) श्रीमती शमनी देवी, पत्नी शंकर केवट, उम्र 45 वर्ष, निवासी ग्राम हर्री, थाना रामनगर (गुम इंसान क्रमांक 16/26) महिका केवट, पुत्री सुनील केवट, उम्र 18 वर्ष 4 माह, निवासी ग्राम सेमरा, थाना रामनगर (गुम इंसान क्रमांक 18/26) पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में गुमशुदा व्यक्तियों की शीघ्र तलाश और उन्हें सुरक्षित परिजनों तक पहुंचाने के उद्देश्य से विशेष अभियान लगातार जारी है। रामनगर पुलिस की इस सफलता ने एक बार फिर साबित किया है कि सतत प्रयास और त्वरित कार्रवाई से गुमशुदा व्यक्तियों को सुरक्षित खोजा जा सकता है।

सड़क किनारे पानी से भरे गड्ढे बने जानलेवा

झिरियाटोला/आमाडांड/बरतराई मार्ग पर हर पल हादसे का खतरा बरसात में साइड शोल्डर धंसे, रात में दोपहिया और भारी वाहनों के लिए बढ़ी मुश्किलें

हरिभूमि न्यूज राजनगर। रामनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत झिरियाटोला/आमाडांड/बरतराई मुख्य मार्ग इन दिनों राहगीरों और वाहन चालकों के लिए खतरे का कारण बनता जा रहा है। सड़क के दोनों किनारों पर बने साइड शोल्डर कई स्थानों पर धंसकर बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो गए हैं। लगातार हो रही बारिश के कारण इन गड्ढों में पानी भर गया है, जिससे उनकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है। खासकर रात के समय यह स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है तथा दुर्घटनाओं का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, अंधेरे में पानी से भरे गड्ढे दिखाई नहीं देने के कारण दोपहिया वाहन चालक अक्सर असंतुलित होकर गिर जाते हैं। वहीं आमने-सामने से आ रहे वाहनों को साइड देने के दौरान जब किसी वाहन का पहिया सड़क से नीचे उतरता है तो वह सीधे गड्ढे में फंस जाता है। इससे वाहन का संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे दुर्घटनाएं होने के साथ-साथ वाहन भी क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। ग्रामीणों और नियमित रूप से इस मार्ग का उपयोग करने वाले वाहन चालकों का कहना है कि सड़क किनारे बने साइड शोल्डरों की लंबे समय से मरम्मत नहीं कराई गई है। बारिश के चलते मिट्टी कटने से गड्ढे और गहरे हो गए हैं। मार्ग पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और चेतावनी संकेतक भी नहीं होने से रात के समय जोखिम और बढ़ जाता है। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि झिरियाटोला, आमाडांड़बरतराई मार्ग पर सड़क किनारे बने गड्ढों को तत्काल भरवाया जाए, साइड शोल्डरों की मरम्मत कराई जाए तथा दुर्घटना संभावित स्थानों पर रिफ्लेक्टर और चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं। उनका कहना है कि यदि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो बरसात के मौसम में यहां कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

आरएएमपी कम्पोजिट एमएसएमई वर्कशॉप एवं कैम्प का प्रथम दिवस सम्पन्न

स्थानीय उद्यमिता, कौशल विकास, महिला उद्यमशीलता और बाजार विस्तार पर दिया गया जोर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने, स्थानीय उद्यमिता को प्रोत्साहित करने तथा उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों, स्टार्टअप्स और इच्छुक उद्यमियों को शासन की विभिन्न योजनाओं, वित्तीय सेवाओं, गुणवत्ता प्रमाणन और बाजार अवसरों से जोड़ने के उद्देश्य से अनूपपुर में आयोजित दो दिवसीय आरएएमपी कम्पोजिट एमएसएमई(डैडम) वर्कशॉप एवं कैम्प का प्रथम दिवस सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यशाला का आयोजन भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय की विश्व बैंक समर्थित रेजगि एंड एक्सेलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस आरएएमपी योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में आरएएमपी योजना की राज्य नोडल एजेंसी मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम लिमिटेड द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र तथा संबंधित सहयोगी संस्थाओं के समन्वय से यह कार्यशाला आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम में कलेक्टर हर्षल पंचौली, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह, लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष जयप्रकाश अग्रवाल, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक राममूर्ति खरे एवं प्रबंधक सुश्री प्रियंका सोनी, एनआरएलएम के जिला परियोजना प्रबंधक शशांक प्रताप सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, उद्योग प्रतिनिधि, स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं, एमएसएमई उद्यमी, स्टार्टअप्स एवं इच्छुक उद्यमी उपस्थित रहे। कलेक्टर हर्षल पंचौली ने अपने संबोधन में कहा कि अनूपपुर जिले में स्थानीय स्तर पर रोजगार, उद्यमिता और कौशल विकास की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने थर्मल पावर एवं उससे जुड़े अवसरों के दृष्टिगत उद्यमियों, युवाओं और स्वयं सहायता समूहों को एक्सपोजर विजिट के माध्यम से व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने उद्यमियों से उद्योग विभाग से निरंतर जुड़े रहने, बदलते औद्योगिक माहौल के अनुरूप अपने कौशल और व्यावसायिक कार्यप्रणाली को विकसित करने तथा स्थानीय बाजार को व्यापक बाजारों से जोड़ने की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया। कलेक्टर हर्षल पंचौली ने स्थानीय स्तर पर तकनीकी एवं कौशल आधारित क्षमता को मजबूत करने पर भी विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि आईटीआई, कॉलेजों तथा अन्य प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से युवाओं और संभावित उद्यमियों को बेहतर प्रशिक्षण एवं उद्योगोन्मुखी कौशल से जोड़ा जाए, ताकि आने वाले समय में बड़ी औद्योगिक इकाइयों और उनसे जुड़ी सप्लाई चेन में स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ सकें। उन्होंने कच्चे माल की उपलब्धता, आवश्यक अनुमतियों तथा एनओसी जैसी प्रक्रियाओं को समय पर पूर्ण करने के लिए विभागों एवं उद्यमियों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर भी बल दिया।

पैरालीगल वालेंटियर्स का आयोजित हुआ एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

अनूपपुर।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर श्रीमती माया विश्वलाल के निर्देशानुसार एवं रावेन्द्र कुमार सोनी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर एवं बृजेश पटैल जिला विधिक सहायता अधिकारी के मार्गदर्शन में समाज के गरीब व कमजोर वर्ग के लोग, महिला, बच्चे, वृद्धजन एवं असहाय लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता एवं सलाह प्रदान करने के उद्देश्य से, 09 जून को सम्पूर्ण अनूपपुर जिले में कार्य करने हेतु नियुक्त किए गए 51 पैरालीगल वालेंटियर्स का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन मंदानिकी होटल अनूपपुर में किया गया। एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष श्रीमती माया विश्वलाल के द्वारा माँ सरस्वती जी के चित्र में माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा पैरालीगल वालेंटियर्स को संबोधित करते हुए कहा कि उक्त कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नागरिकों विशेषकर वंचित और शोषित, अशिक्षित वर्गो को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें मुक्त कानूनी सहायता प्राप्त करने में मद्द करना हैं। पैरालीगल वालेंटियर्स इन वर्गो और कानूनी सहायता प्राप्त कराने के बीच सेतु का काम करेंगे। इस अवसर में नरेन्द्र पटेल प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, श्रीकृष्ण कुमार डागलिया तृतीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, श्रीमती चौनवती ताराम मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, रावेन्द्र कुमार सोनी सचिव/व्यवहार न्यायाधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बॉबी सोनकर न्यायिक मजिस्टेट, सुश्री सुधा पाण्डेय न्यायिक मजिस्टेट, सुश्री सृष्टि साहू न्यायिक मजिस्टेट, बृजेश पटैल जिला विधिक सहायता अधिकारी, संतोष सिंह परिहार अध्यक्ष जिला अधिवक्ता बार संघ अनूपपुर, चीफ संतदास नापित, डिप्टी चीफ शाबिर अली व रामकृष्ण सोनी, असिस्टेंट विकास शुक्ला, श्रीमती शोभा पटेल एवं आयुष सोनी, श्रीमती मंजुषा शर्मा जिला महिला सशक्तिकरण अधिकारी, अमित सिंह परिहार अधिवक्ता, केजिया थामस अंतर्राष्ट्रीय न्याय प्रणाली समूल, श्रीमती सोनू सिंह राजपूत लोक सेवा प्रबंधक एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अन्य कर्मचारीगण एवं समस्त पैरालीगल वालेंटियर्स उपस्थित रहें।

उक्त कार्यक्रम में नरेन्द्र पटेल द्वितीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने एन.डी.पी.एस. एक्ट, नशा मुक्ति एवं यातायात अधिनियम के बारे में जानकारी दी। रावेन्द्र कुमार सोनी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने पैरालीगल वालेंटियर्स के उद्देश्य, कर्तव्य एवं दायित्व, मध्यस्थता योजना, लोक उपयोगी/स्थाई एवं निरंतर लोक अदालत, विशेष लोक अदालत तथा पीड़ति प्रतिकर योजना के बारे में जानकारी दी। आयुष सोनी असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसेल द्वारा निःशुल्क विधिक सहायता योजना के संबंध में जानकारी दी। श्रीमती मंजुषा शर्मा जिला महिला सशक्तिकरण अधिकारी द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं, बाल संरक्षण योजना एवं चाईल्ड हेल्पलाइन के संबंध में जानकारी दी। संतदास नापित चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसेल ने एफ.आई.आर., पुलिस रिपोर्ट, चालान, रिमाण्ड, गिरफ्तारी, जमानत एवं अभियुक्त के अधिकारों के संबंध में जानकारी दी। सुश्री सुधा पाण्डेय न्यायिक मजिस्टेट ने किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 के संबंध में तथा सुश्री सृष्टि साहू न्यायिक मजिस्टेट ने घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, भरण पोषण, वरिष्ठ नागरिकों के लिये भरण पोषण अधिनियम की जानकारी दी। अमित सिंह परिहार अधिवक्ता द्वारा पारिवारिक विधिया (हिन्दु विधि, मुस्लिम विधि, हिन्दु विवाह अधिनियम, दत्तक गृहण, कस्टडी एवं गार्जियनशिप के विषय में, केजिया थामस अंतर्राष्ट्रीय न्याय प्रणाली समूह भोपाल द्वारा बंधुआ मजदूरी एवं संबंधित विधियां तथा श्रीमती सोनू सिंह राजपूत लोक सेवा प्रबंधक द्वारा लोक सेवा प्रदाय गारंटी अधिनियम के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में परिचर्चा एवं प्रश्नकाल रखा गया। कार्यक्रम का संचालन शाबिर अली डिप्टी तथा बृजेश पटेल जिला विधिक सहायता अधिकारी द्वारा आभार प्रकट कर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया।

विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं के निराकरण हेतु प्रत्येक माह आयोजित होंगे जनसुनवाई

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अधीक्षण अभियंता मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, अनुपपुर ने जानकारी दी है कि विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु जोन एवं वितरण केंद्र, संभागीय एवं वृत्त स्तर पर प्रत्येक माह नियमित जनसुनवाई शिविर आयोजित किए जाएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वितरण केंद्र स्तर पर प्रत्येक माह के प्रथम मंगलवार, संभागीय कार्यालय अनुपपुर में प्रत्येक माह के द्वितीय मंगलवार तथा वृत्त कार्यालय अनुपपुर में प्रत्येक माह के तृतीय मंगलवार को जनसुनवाई शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में विद्युत बिल, मीटर, नवीन विद्युत कनेक्शन, विद्युत आपूर्ति सहित अन्य विद्युत संबंधी शिकायतों एवं समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। अधीक्षण अभियंता मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड अनूपपुर ने जिले के समस्त विद्युत उपभोक्ताओं से निर्धारित तिथि एवं संबंधित कार्यालय में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं के निराकरण हेतु जनसुनवाई का लाभ उठाने की अपील की है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि निर्धारित मंगलवार को शासकीय अवकाश रहेगा तो जनसुनवाई अगले कार्यदिवस में आयोजित की जाएगी।